SHRI NITISH KUMAR: Sir, I do not have such information. If there is any such type of problem, I am ready to sit with him; I will solicit information from him, and I will try to sort it out. I am not aware of it.

SHRI R. KAMARAJ: Sir, Tamil Nadu is in need of 76 more railway over-bridges in order to control the growing vehicular traffic. Out of these 76, proposals for construction of 15 over-bridges have already been sent, and the Government of Tamil Nadu is preparing proposals for the remaining 61 over-bridges. So, my second supplementary is whether the Ministry of Railways will come forward again to sanction these proposals and release the financial allocation early.

SHRI NITISH KUMAR: Sir, I can only assure that I will sanction all the proposals of the State Governments, if those proposals qualified our norms.

Closure of fertilizer plants

†*345. PROF. RAM DEO BHANDARY: Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) the details of fertilizer plants closed down by Government in the country and the reasons for their closure;

(b) whether the concerned State Governments and public of those States have opposed this move; and

(c) if so, the action Government are taking to restart those plants?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI TAPAN SIKDAR): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) to (c) The Government, after having considered the representations of State Governments and other interested parties, have decided to close down the following plants/units of Hindustan Fertilizer Corporation Ltd. (HFCL), Fertilizer Corporation of India Ltd. (FCIL) and Pyrites, Phosphates and Chemicals Ltd. (PPCL) as they have not been found techno-economically viable:

†Original notice of the question was received in Hindi.

Andhra Pradesh:	Ramagundam (FCI)
Bihar:	Barauni (HFC)
Jharkhand:	Sindri (FCI)
Chhattisgarh:	Korba Project (FCI)
Orissa:	Talcher(FCI)
Rajasthan:	Saladipura (PPCL)
Uttaranchal:	Dehradun (PPCL)
Uttar Pradesh:	Gorakhpur(FCI)
West Bengal:	Durgapur; Haldia; and Fertilizer Promotion & Agriculture Research Division (HFC)

प्रो. राम देव भंडारी : मान्यवर, 9 राज्यों में 9 उर्वरक कारखानों को बंद करने का कारण मंत्री जी द्वारा बताया गया है कि इन्हें प्रौघो-आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं पाया। मैं मंत्री जी के इस जवाब से बिल्कुल सहमत नहीं हूं और मैं समझता हूं कि इन कारखानों के प्रति सरकार की नीयत ठीक नहीं है। महोदय, मैं उदाहरण के रूप में बिहार के बरौनी खाद कारखाने के संबंध में सवाल पूछना चाहता हूं। 1986 से लेकर 2002 तक कारखाने की स्थिति सुधार के लिए 8 कमेंटियों का गठन किया गया। 1988 में डेनमार्क की विशेषज्ञ समिति ने ... (व्यवधान)....

श्री सभापति : 1988 से लेकर 2002 तक पहूंचने में बहुत वर्ष लगेंगे। सीधा प्रश्न कर लीजिए।

प्रो. राम देव भंडारी : मैं एक-दो की चर्चा करके फिर बतलाना चाहता हूं। डेनमार्क की एक विशेषज्ञ समिति ने 157 करोड रूपए लगाकर तीन लाख तीस हजार टन यूरिया प्रति वर्ष उत्पादन करने की अनुशंसा की थी। यह इम्प्लीमेंट नहीं किया गया। मैं जल्दी-जल्दी बतला रहा हूं। 1990 में पी0बी0आई0एल0 सिन्दरी ने भी 71 करोड़ रूपए लगाकर अनुशंसा की थी।

श्री सभापति : आप कृपया वर्ष बतला दीजिए, 1988 में, 1999 में कौन-कौन सी सिफारिशें थी।

प्रो. राम देव भंडारी : वहीं बतला रहा हूं। 1994 में डा. जी. बी. पुरोहित की अध्यक्षता में समिति बनी, 1996 में कोचीन की एक विशेषज्ञ समिति बनी और फिर सिन्दरी की जो पी.बी.आई.एल. है उसकी भी समिति बनी और सब के अंत में जो कारखाने के विशेषज्ञ हैं, उत्पादन अभियन्ता हैं, उन्होने भी एक रिपोर्ट निगम को दी है जिसमें 443 करोड रूपए की लागत से नवीनीकरण का प्रस्ताव भेजा है और उन्होंने कहा है कि तीन लाख टन ... (व्यवधान)....

श्री सभापति : अब आपका प्रश्न मैं पूछ लेता हूं। माननीय मंत्री जी, बताएं कि जो कुछ वह रिपोर्ट का उल्लेख कर रहे है तथा जो सिफारिशें की थी उस संबंध मे आपने क्या कार्रवाई की?

प्रो. राम देव भंडारी : एक मिनट, सर। तीन लाख टन यूरिया का उत्पादन होगा और कारखाना मुनाफे में चलेगा। महोदय, मैं यह पूछना चाहता हूं कि इन सब विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट के आधार पर जब मुनाफे में कारखाना चलाया जा सकता है तो कौन सी ऐसी परिस्थिति बन गई कि बिहार का एकमात्र कारखाना है उसको बंद करने का सरकार ने प्रस्ताव किया है?

श्री तपन सिकदर : माननीय सदस्य ने बताया है कि यह मुनाफे मे चल सकती थी। लेकिन सरकार को जो रिपोर्ट सब्मिट की गई थी उसके अनुसार वह मुनाफे में चल नहीं सकती थी। इसके कारण सरकार ने निर्णय लिया। इसके साथ-साथ फर्टिलाइजर कारपोरेशन आफ इंडिया, हिन्दुस्तान फर्टिलाइजर कारपोरेशन आफ इंडिया के अधीन जितने कारखाने हैं, इनको भी बंद करने का निर्णय लिया गया क्योंकि इनका प्रोडक्शन कॉस्ट बहुत हाई है और इनकी टेक्नालाजी और इक्विपमेंट सामंजस्यपूर्ण नही है। इसके कारण सरकार ने यह विचार किया कि इनको चलाने से खास तौर से इनकी जो प्रोडक्शन कॉस्ट है गैस बेस्ड से करीब तीन गुना है और सरकार इतना नुकसान नही सह सकती है इसीलिए इनको बंद करने का निर्णय लिया है।

प्रो. राम देव भंडारी : महोदय, मेरा दूसरा सवाल है कि प्रधान मंत्री जी से 16 सांसदो की एक समिति मिली थी जिसमें मैं भी था। प्रधान मंत्री जी ने केटेगरिकली कहा कि हर एक राज्य में कम से कम एक कारखाना तो चलना ही चाहिए। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि प्रधान मंत्री जी का जो आश्वासन है इस संबंध में मंत्री जी का क्या कहना है? दूसरी बात, प्रधान मंत्री जी के आश्वासन के आलोक में जब तक कोई निर्णय नहीं हो जाता है, फैसला नहीं हो जाता है, तब तक जो पूर्व का निर्णय है सरकार का, उसको रोक दिया जाए? इसका आश्वसन मैं मंत्री जी से चाहता हूं।

श्री सभापति : ठीक है। पहले यह बात आने दीजिए कि प्रधान मंत्री जी ने ऐसा आश्वसन दिया था या नहीं दिया था।

श्री तपन सिकदर : सभापति महोदय, यह बात सही है कि कुछ माननीय सांसद माननीय प्रधान मंत्री जी से मिले थे। लेकिन इस हाउस में प्रधान मंत्री जी ने कोई अरश्वासन नहीं दिया है। फिर भी ...(व्यवधान)... एक मिनट लेट मी फिनिश। मैं यह कहना चाहता हूं कि वहां यह प्रश्न उठा था, रीजनल बैलेंस का विषय आया था। जो प्रतिनिधि मंडल प्रधान मंत्री जी से मिलने गया था, उनसे कुछ कहा होगा। मैं आपके माध्यम में ...(व्यवधान)...

प्रो. राम देव भंडारी : यहां पर प्रधान मंत्री जी के बारे में ऐसी बात कहना सही नहीं है कि उन्होंने कुछ कहा होगा। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : आप बैठिए। माननीय सदस्य आप बैठिए। आप बैठिए।

श्री तपन सिकदर : सभापति महोदय, मुझे तो अखबारों से पता लगा कि प्रधान मंत्री जी ने

रीजनल बैलेंस रखने के लिए कुछ बोला होगा।...(व्यवधान)...

श्री सभापति : बोला होगा, यह मत कहिए। ...(व्यवधान)...

श्री तपन सिकदर : मैं सदन में इतना ही कह सकता हूं कि ...(व्यवधान)... मैं खुद वहां पर उपस्थित नहीं था। ...(व्यवधान)... आप तो सुनना ही नहीं चाहते है। मैं प्रधान मंत्री जी का सम्मान करता हूं। ....(व्यवधान)... मैं वहां पर उपस्थित नहीं था और प्रधान मंत्री जी ने ऐसे बताया है तो जरूर हम अपने मंत्रालय से कहकर इस विषय के बारे में प्रधान मंत्री जी से पुछवा लेंगे। रीजनल बैलेंस के बारे में सरकार ने वायदा किया है कि रीजनल बैलेंस के लिए हर क्षेत्र में, हर जगह पर एक ही दाम पर यूरिया उपलब्ध करायेंगे। लेकिन, फिर भी रीजनल बैलेंस के लिए माननीय प्रधान मंत्री जी तक यह बात पहुंचा देंगे और प्रधान मंत्री जो निर्णय लेंगे, उसको हम मान लेंगे।

श्री सभापति : ठीक है, ठीक है।...(व्यवधान)...

श्रीमती सरोज दुबे : अभी तक क्यों नहीं पता लगाया है कि प्रधान मंत्री जी ने क्या कहा था। ....(व्यवधान)....

श्री सभापति : आप बैठ जाइये। ऐसे नहीं होगा।

श्री तपन सिकदर : माननीय सदस्या इस पर कल बहस हो चुकी है।

SHRI JIBON ROY: Thank you, Mr. Chairman, Sir, for having allowed me. Sir despite having a dozen Ministers in the Central Cabinet, from Bengal and Bihar, such an unfortunate decision has been taken. This decision would wipe out Eastern India from the fertiliser map of India. Sir, in addition to that, now there is a move to withdraw the freight equalisation facilities as also the essential commodities' allotment rules. If those are withdrawn, a part of Eastern India would become a desert.

श्री सभापति : कल आप यहां पर थे या नहीं ? मैं आपसे एक बात पूछना चाह रहा हूं कि कल आप यहां पर थे? कल दीपांकर मुखर्जी साहब ने जिस प्रकार का भाषण दिया था उसमें कोई चीज उन्होने नहीं छोडी थी।....(व्यवधान)...

प्रो. राम देव भंडारी : वैसा सरकार का जवाब नहीं आया था।

श्री जीवन राय: जवाब नहीं आया था। इसीलिए हम लोगो को सवाल बार-बार पूछना है।

श्री सभापति : अच्छा, ठीक है। ....(व्यवधान)...

SHRI JIBON ROY: We come from that area. In this regard, Sir, one assurance has come from the hon. Prime Minister. Also AAIFR has given an award. The AAIFR has set aside the decision on closure of the Barauni

and Durgapur Plants. But the Government has decided not to allow the workers into these factories from the 21st of this months. Now, in view of the assurance by the Prime Minister, and also the AAIFR award setting aside the closure decision, I would like to know whether the Government would withdraw the notice to close down the two plants from 20th of December.

श्री तपन सिकदर : सभापति महोदय, अभी तब गवर्नमेंट ने जो निर्णय लिया है, सरकार का जो निर्णय है उसके बारे में, मैने सूचित किया है।अगर प्रधान मंत्री जी इसमें आगे कुछ करेंगे, उसको हम जरूर मान लेंगे। ...(व्यवधान)...आप मुझे अपनी बात समाप्त करने दीजिए। इस विषय में वास्तव में एएआईएफआर ने जो बीआईएफआर को रेफर किया है, यह एक लीगल मैटर है, उसमें जो निर्णय होगा, उसको भी हम मानने के लिए तैयार है। ... (व्यवधान)...

प्रो. राम देव भंडारी : अभी आप चार महीने का टाइम दीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री दीपांकर मुखर्जी :सर, मुझे सर्टिफिकेट तो कल से बहुत मिल रहा है कि मै बहुत अच्छा बोला। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : अब आप ज्यादा इंटरेप्ट करेंगे तो सर्टिफिकेट विद्ड्रा हो जायेगा।

श्री दीपांकर मुखर्जी : रिजल्ट सुनिए।

But the result is nil. ...*(Interruptions)*... **श्री सभापति :** वह ठीक है। मैने आपका भाषण भी सुना है, सरकार का भाषण भी देखा है। श्री मनोज भट्टाचार्य। ....(व्यवधान)....

श्री दीपांकर मुखर्जी : आप डायरैक्शन दे दीजिए और दो महीने तक इसको रोकिए। ....(व्यवधान)....I have not been able to get any assurance*(Interruptions)*..

श्री मनोज भट्टाचार्य : सभापति महोदय, कल जो डिसकशन हुई, उससे मेरे मन में एक कनफ्यूज़न आया है। स्टेटमेंट में लिखा हुआ है कि अप्रैल के बाद उन 12,000 वर्कर्स के क्वार्टर्स नहीं रहेंगे, हॉस्पिटल नहीं रहेंगे, स्कूल्स नही रहेंगे। महोदय, यहां पर ढिढसा जी ने बताया कि यह वालेंटरी सैपरेशन स्कीम है और किसी को जबर्दस्ती नहीं है। यह तो एक कॉन्ट्रीडिक्टरी स्टेटमेंट है। स्टेटमेंट में आप लिखते है कि पहली अप्रैल से सब कुछ बंद हो जाएगा, सारे प्रावधान खत्म किए जाएंगे और यहां पर बोलते समय कहते है कि यह वालेंटरी है। वालेंटरी सैपरेशन स्कीम में जो वर्कर्स नहीं रहेंगे, उनका क्या हाल होगा? उनके क्वार्टर्स वगैरह नहीं रहेंगे तो .....

श्री सभापति : अब आपका सवाल हो गया।

श्री तपन सिकदर : सभापति महोदय, कर्मचारियों के लिए जो बताया गया है, मैं इतना ही कहूंगा कि उसके लिए 30 अप्रैल तक समय दिया गया है, वह अपने क्वार्टर में सारी सुविधाओं के साथ रह सकते है। स्कूल्स और हॉस्पिटल्स भी चलेंगे, 30 अप्रैल तक चलेंगे। अभी अभी जो आपने वी.एस.एस. के संबंध में कहा। इसमें एक ही बात है कि वी .एस.एस. नहीं लेंगे, उनको कानून के अनुसार सारे बैनीफिट्स दिये जाएंगे। ...(व्यवधान)...

मनोज भट्टाचार्य : वह वालेंटरी नहीं है। वह स्वैच्छिक नहीं हुआ, वह तो जबर्दस्ती है।

श्री सभापति : आप रूकिए, वह बोल रहे हैं।

श्री तपन सिकदर : मैं वही बता रहा हूं।....(व्यवधान)...

श्री जीवन राय : आप कम से कम पास कर दीजिए। बी.आई.एफ.आर. ने जो ...(व्यवधान)...

*346. *[The questioner (ShriRG. Narayanan) was absent for answer vide page* 34.]

Indian Council of Veterinary Research

*347. DR. ARUN KUMAR SARMA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Government are considering any proposal to constitute Indian Council of Veterinary Research; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI AJIT SINGH): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

DR. ARUN KUMAR SARMA: Mr. Chairman, Sir, the reply of the hon. Minister has complicated certain issues. It has undermined the institutions of Government as well as Parliament. It has also undermined the privilege of a Member of Parliament. When I was a Member of Lok Sabha, there was a positive assurance on 12 August, 1997, to form the Indian Council of Veterinary Research.

MR. CHAIRMAN: Put a straight question.